3642/R

B.A. (Third Year) Examination, 2016

SANSKRIT

Paper–II

(इतिहास, दर्शन, अनुवाद, व्याकरण एवं निबन्ध)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART - A (खण्ड-अ) [Marks : 20

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - B (खण्ड-ब) [Marks : 50

Answer *five* questions (250 words each).
Selecting *one* from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - C (खण्ड-स) [Marks : 30

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई दो प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

इकाई-I

(i) रामायण में प्रधान रस कौनसा है?

(ii) प्रमुख दो गद्यकारों के नाम लिखिए।

इकाई-II

(iii) भगवद्गीता महाभारत के किस पर्व का अंश है?

(iv) वैशेषिक दर्शन में कितने पदार्थ हैं? नामोल्लेख कीजिए।

इकाई-III

(v) 'राम ने बाण से बाली को मारा' वाक्य का संस्कृत में अनुवाद कीजिए।

(vi) 'देवदत्त लता से पुष्प चुनता है' वाक्य का संस्कृत में अनुवाद कीजिए।

इकाई-IV

(vii) 'गतः' शब्द में प्रयुक्त प्रकृति-प्रत्यय लिखिए।

(viii) 'श्रीमान्' शब्द में कौनसा प्रत्यय है? सूत्र सहित लिखिए।

इकाई-V

(ix) 'संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्' विषय पर संस्कृत में दो वाक्य लिखिए।

(x) 'अस्माकं महाविद्यालयः' विषय पर संस्कृत में दो वाक्य लिखिए।

खण्ड-ब

इकाई-I

2. रामायण और महाभारत का तुलनात्मक विवेचन कीजिए।

अथवा

'गद्यं कवीनां निकषं वदन्ति' इस कथन की व्याख्या कीजिए।

इकाई-II

3. श्रीमद्भगवद्गीता में वर्णित निष्काम कर्मयोग का निरूपण कीजिए।

अथवा

सांख्यदर्शन के प्रमुख सिद्धान्त 'सत्कार्यवाद' की व्याख्या कीजिए।

इकाई-III

4. निम्नलिखित अवतरण का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :

(अ) रामायण संस्कृत साहित्य का उच्च कोटि का महाकाव्य है। इसके रचयिता महर्षि वाल्मीकि है। इसमें मर्यादापुरुषोत्तम राम के जीवन चरित्र का वर्णन है। यह संस्कृत भाषा का प्रथम लौकिक महाकाव्य है, अत: इसे आदि काव्य कहा जाता है। इसमें भारतीय संस्कृति का सुन्दरतम रूप वर्णित है। काव्य की दृष्टि से यह बहुत ही सुन्दर काव्य है। इसकी भाषा प्रारम्भ से अन्त तक परिष्कृत और प्रसाद-गुण युक्त है।

अथवा

(ब) प्राचीन शास्त्रों के अनुसार जीवन को चार भागों में बाँटा गया है- ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और सन्यास। प्रथम आश्रम ब्रह्मचर्य आश्रम है, यह विद्यार्थी जीवन का काल है। विद्यार्थी जीवन की आधारशिला है। मनुष्य अपने भावी जीवन के लिए इस काम में ज्ञान, आचार-विचार, संयम, शील, सत्य तथा अन्य सभी गुणों का संग्रह करता है। यही समय है जब विद्यार्थी अपनी आध्यात्मिक, नैतिक, शारीरिक और मानसिक शक्तियों का विकास करता है।

इकाई-IV

5. निम्नलिखित शब्दों का सूत्रनिर्देशपूर्वक प्रकृति-प्रत्यय लिखिए-

(i) पश्यन्

(ii) कृतवान्

(iii) पठनीया

(iv) पटुत्वम्

अथवा

निम्नलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :

(i) समानकर्तृकयो: पूर्वकाले

(ii) तव्यत्तव्यानीयर:

(iii) रेवत्यदिभ्यष्ठक्

(iv) अजाद्यतष्टाप्

इकाई–V

6. 'विद्याया: महत्त्वम्' विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए।

अथवा

"सत्संगति: कथय: किं न करोति पुंसाम्" विषय पर संसकृत में निबन्ध लिखिए।

खण्ड-स

इकाई-I

7. रामायणकालीन समाज एवं संस्कृति का वर्णन कीजिए।

इकाई-II

8. योग दर्शन में वर्णित 'अष्टाङ्गयोग' का विवेचन कीजिए।

इकाई-III

9. निम्नलिखित शब्दों का सूत्र निर्देशपूर्वक प्रकृति-प्रत्यय लिखिए-

(i) भोक्तुम्

(ii) पेयम्

(iii) कार्यम्

(iv) बुद्धिमान्

इकाई-IV

10. निम्न अवतरण का संसकृत में अनुवाद कीजिए-

मनुष्य समाज का एक अंग है। समाज की उन्नति के साथ मनुष्य की उन्नति होती है और समाज की अवनति से उसकी भी अवनति होती है, अत: प्रत्येक व्यक्ति का कर्त्तव्य है कि वह ऐसा कार्य करें, जिससे समाज सदा उन्नति की ओर अग्रसर हो। समाज सेवा का भाव बाल्यकाल से ही जागृत करना चाहिए। समाज सेवक विनम्र होता है। वह दूसरों की सहायता और सेवा से प्रसन्न होता है।

इकाई-V

11. महाकवि कालिदास विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए।